भाग्यं भवति कर्मणा

मासिक राशिफल माह – अप्रैल 2012

प्रातः कालीन ग्रह स्थिति 01.04.2012

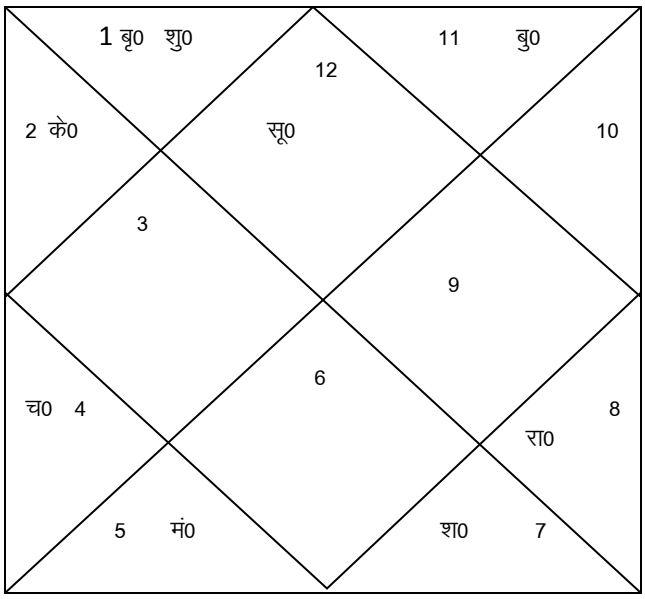

मेष – चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ

एकत्रित यात्रा प्रकरणों का सिलसिला लगातार जारी रहेगा। खर्च को नियन्त्रित करने मे कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। युवा मित्र मन्डली की सहयोगी भावना के चलते आर्थिक कार्य योजनाओं को गतिशीत बनायेंगे। निम्न स्तर की संगति मानसिक तनाव का वातावरण बनायेगी। यात्रा के साधनो से यात्रा करते समय सावधानी आपेक्षित है। तारीख 5,6,7,8,9,13,14,15 शुभप्रद है।

वृष – ई, ऊ, ऐ, ओ, वा, वी, वू, वे, वो

सार्थक और निरर्थक दोनो तरह के कार्य व्यय भार के अतिरिक्त स्रोत उत्पन्न करेंगे। मानसिक रुप से किसी भी कार्य मे दण्डात्मक प्रणाली के ही पक्षधर रहेंगे। पेट सम्बन्धी रोगों के कारण शारीरिक कष्ट की अनुभूति होगी। रोजी रोटी की दिशा मे किये गये प्रयास बेहतर परिणाम के सूचक हैं। शेयर, बाजार, सट्टा आदि मे अतिरिकत पूंजी निवेश करना ही उत्तम

होगा। खान–पान व्यवस्था प्रभावित रहेगा। किसी धार्मिक प्रकरण पर अविश्वास की भावना मन से बाहर आ सकती है। तारीख 1,2,7,8,9,10,11 प्रगतिकारक प्रतीत होंगी।

मिथुन– का, की, कू, के, को, हा, घ, ण, छ

वाणी मे वाचालता की समाविष्टि पारिवारिक विरोध के मार्ग प्रसस्त कर सकती है। लाभ के साथ खर्च की भी रुपरेखा तैयार होगी। ईश्वर अराधना रुचिकर प्रतीत होगी। राज्याधिकारियों की सहयोगी भावना के चलते राजकीय कार्य गतिशील रहेंगे। ग्रहस्थ जीवन के अनुभवों से सुखद अनुभूति होगी। भोजन व्यवस्था का विस्तार करने मे सफल रहेंगे। किसी वैवाहिक धार्मिक समारोह मे आप की उपस्थिति प्रसंशा के मार्ग प्रसस्त कर सकती है भागदौड़ की अधिकता रहेगी। तारीख 2,3,4,9,10,11,12,13 उन्नति कारक सिद्ध होगी।

कर्क– ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो

सप्ताह की शुरुआत मे गिरते हुये स्वास्थ्य मे आवश्यक सुधार होगा। कठोरतम भाषा का प्रयोग पारिवारिक जीवन मे अहितकर सिद्ध हो सकता है। अध्ययन लेखन आदि कार्य क्षेत्र मे प्रगतिशील स्थितियां निर्मित होंगी। अति व्यस्तता की स्थितियां लगातार निर्मित होती रहेंगी। राजनैतिक कार्यों, सामाजिक व्यक्तियों से आपके मेल–मिलाप का सिलसिला बढ़ता रहेगा। अधिक आयु की महिलाओं की सोच के चलते सामाजिक सुख्याति के अवसर प्राप्त हो सकते हैं। तारीख 1,2,5,6,7,11,12,13,14,15 शुभ सूचक प्रतीत होंगी।

सिंह– मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे

सार्थक कार्यों मे खर्च अधिकतम सीमा रेखा पार करेगा। जीवन संगिनी के साथ मधुरतम पलों का बेहतर सदुपयोग होगा। व्यवसायिक तथा हिस्सेदारी सम्बन्धी कार्यों मे लाभान्वित रहेंगे। सप्ताह की शुरुआत भोजन व्यवस्था तथा यात्राओं के लिये बेहतर प्रतीत होंगी। आपके भीतर जय को पराजय मे परिवर्तित करने की अदभुत क्षमता भी रहेगी। प्रबल धार्मिकता का वातावरण सुखद मनः स्थिति की ओर अग्रसर होगी। माता पिता का स्वास्थ्य के कारण आंशिक रुप से चिन्तित हो सकते हैं। तारीख 2,3,4,7,8,9,13,14,15 शुभप्रद सिद्ध होगी।

कन्या– टो, पा, पी, पू, पे, पो, ष, ण, ठ

गीत संगीत नृत्य आदि के आयोजन मे आपकी भागीदारी सुनिश्चित होगी। विरोधियों के साथ सामन्जस्य स्थापित करने के प्रयासों को बल मिलेगा। खर्च और लाभ के बीच का

असन्तुलन मानसिक रुप से परेशान कर सकता है। व्यवसाय मे किसी भी प्रकार का जोखिम न उठाना ही आपके लिए हितकर होगा। जीवन संगिनी की सूझबूझ के चलते ग्रहस्थ जीवन की गाड़ी धीमी रफ्तार से चलेगी। अनायास और बगैर सोचे समझे निर्णय लेने की प्रवृतियां आपके लिये तकलीफ देने वाली प्रतीत होगी। तारीख 5,6,7,9,10,11,16,17,18 प्रगतिकारक होगी।

तुला– रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, ते

शिक्षा प्रतियोगिता की दिशा मे किये गये प्रयास सार्थक सिद्ध होंगे। विपक्षी भी आपसे सामन्जस्य स्थापित करने का प्रयास करते नजर आयेंगे। मनोरंजन के संसाधन जुटाने के सथायी प्रयास रंग ला सकते हैं थोड़ा सा सहज और सरल होकर दाम्पत्य जीवन मे खुशहाल बना सकते हैं। व्यापारिक हित साधने के बेहतर वक्त प्रतीत होगा। राजकीय कामकाज मे स्त्रीपक्ष का आशानुकूल सहयोग प्राप्त करने मे सफल होंगे। सप्ताह की शुरुआत आपके लिये अति उत्तम साबित होगी। धर्म मे सम्पूर्ण आस्था रहेगी। तारीख 1,2,3,4,5,7,8,9 उन्नति कारक है।

वृश्चिक – तो, ना, नी, नू, नो, या, यी, यू

क्रोध की अधिकता रक्तचाप आदि से सावधानी बरतना हितकर होगा। जीवनसंगिनी अचानक गुप्तरोगों की शिकार हो सकती है। माह का दूसरा सप्ताह आपको आंशिक लाभ देने वाला प्रतीत होगा। यात्रा प्रसंगों की अधिकता भी तनाव वृद्धि कारक सिद्ध होगी। ईश्वर भक्ति का मार्ग भी आपको बेहद रुचिकर लगेगा। विपक्ष के साथ भी आपका सहयोगी रवैया रहेगा। संतान पक्ष का चिड़चिड़ा स्वभाव भी स्पष्ट रुप से दिखाई पड़ सकता है। पठन–पाठन कार्यक्रमों मे विघ्न बाधाओं के साथ आंशिक लाभ की उम्मीद करें। घर गृहस्थी की गाड़ी सामान्य रुप से चलेगी। तारीख 9,10,11,13,14,15,20,21,22 उत्तम सिद्ध होंगी।

धनु– ये, यो, भा, भी, भू, ध, फ, द

बन्धु बान्धवों से आशानुकूल सहयोग प्राप्त कर सकते हैं। अध्ययन, लेखन आदि से सम्बन्धित गतिविधियों मे आपकी संलग्नता बड़ेगी। न्यायालय से जुड़े हुये कार्यों से निराशा हो सकती है लाभ और खर्च के मध्य खींचतान जारी रहेगा। सम्पत्ति क्रय–विक्रय सम्बन्धी कार्यों मे प्रगतिशील स्थितियां निर्मित होंगी। पुत्र, पुत्री आदि की ओर से मानसिक रुप से सन्तुष्ट

होंगे। माह का दूसरा सप्ताह राजकीय कार्यों के लिये अतिरिक्त लाभदायक प्रतीत होगा। नास्तिकता पथ की ओर प्रेरित होंगे। तारीख 5,6,7,8,9,11,12,13 शुभ है।

मकर– भो, जा, जी, सी, खू, खे, खो, गा,

भोजन व्यवस्था का विस्तार होगा। माह का पहला सप्ताह व्यवसायिक कार्यक्रमों के लिये बेहतर साबित हो सकता है। पारिवारिक सदस्यों के उत्तरदायित्वों के प्रति अतिरिक्त जागरुक होंगे। जीवन साथी का स्वास्थ्य पहले स उत्तम प्रतीत होगा। आर्थिक आय सम्बन्धी क्रिया कपाप बेहतर परिणाम के सूचक सिद्ध होंगे। जोखिमपूर्ण निर्णय लेने की प्रवृति मन से बाहर आयेगी। आप द्वारा किये गये सामाजिक कार्य समाज मे सराहनीय होंगे। संतान पक्ष का स्वास्थ्य आपको चिन्तित कर सकता है। तारीख 1,2,7,8,9,10,11 प्रगति कारक सिद्ध होंगी।

कुम्भ– गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, द

बातचीत मे कठोरता और चिड़चिड़ापन पारिवारिक तनाव की उत्पत्ति करेगा। सूर्य और मंग का षडाष्टक योग आपके रक्तचाप को बढ़ा सकता है। सप्ताह की शुरुआत आपके लिये राहतकारी प्रतीत होगी। उच्च अध्ययन और उच्च शिक्षा के क्षेत्र मे प्रगति पथ निर्धारित होंगे। जोखिम पूर्ण व्यापार आपके लिये कष्टकारक हो सकते है। स्त्रीपक्ष और युवामित्र मन्डली बेहद सहयोगी होने के साथ–साथ लाभ मार्ग की ओर अग्रसर कर सकती है। हास परिहास के अवसरों मे वृद्धि होगी। तारीख 3,4,5,9,10,11,12,13 शुभकारक होगी।

मीन– दी, दू, दे, दो, थ, झ, अ, चा, ची

सौम्यता और शिष्टाचार से मिश्रित भाषा शैली के प्रयोग के कारण परिजनों से बेहतर सामन्जस्य बना रहेगा। किसी गम्भीर विषय पर आपका चिन्तन सामाजिक ख्याति का वातावरण बनायेगा। व्यय की अपेक्षाकृत आपके अधिकाधिक स्रोत बढ़ने की संभावना है। अनायास सार्थक तथा निरर्थक दोनो प्रकार यात्रायें भी हो सकती हैं। पेट सम्बन्धी रोग, कब्ज आदि से शारीरिक एवं मानसिक कष्टो का सामना करना पड़ेगा। हंसी, मजाक और प्राकृतिक सौन्दर्य वाला वातावरण बेहतर रुचिकर साबित होगा। तारीख 5,6,7,11,12,14,15 अति उत्तम है।

माह के व्रत पर्व और त्योहार

1. महानवमी,सर्वार्थ सिद्ध योग, रात्रि मे 04 बजकर 53 मिनट तक, रवि योग समस्त दिन – 01 अप्रैल, रविवार।
2. कामदा एकादशी व्रतम् सर्वेषाम् – 03 अप्रैल मंगलवार।
3. प्रदोष त्रयोदशी व्रतम्, मदन द्वादशी, श्री महाबीर जयन्ती (जैन) श्री अनंग त्रयोदशी (पूर्व विद्वा) – 04 अप्रैल बुधवार।
4. स्नान दान व्रत की पूर्णिमा, श्री हनुमान जयन्ती (दक्षिण भारत) ओली समाप्त (जैन) – 06 अप्रैल शुक्रवार।
5. कच्छपावतार प्रतिपदा, युगादि प्रतिपदा, तुलसीपत्र द्वारा विष्णु पूजन – 07 अप्रैल, शनिवार।
6. श्री संकष्ठी गणेश चतुर्थी व्रतम् – 09 अप्रैल, सोमवार।
7. अनुसूइय जयन्ती, अंगार की चतुर्थी व्रतम् – 10 अप्रैल, मंगलवार।
8. अश्वनी नक्षत्र तथा मेष राशि मे सूर्य जी का प्रवेश, वैशाखी पर्व – 13 अप्रैल, शुक्रवार।
9. शीतला अष्टमी, डा0 अम्बेडकर जयन्ती – 14 अप्रैल, शनिवार।
10. वरुथनी एकादशी व्रतम् सर्वेषाम्, श्री वल्लभाचार्य जयन्ती – 17 अप्रैल, मंगलवार।
11. प्रदोष त्रयोदशी व्रतम् – 18 अप्रैल, बुधवार।
12. मास शिवरात्रि चतुर्दशी व्रतम् – 19 अप्रैल बृहस्पतिवार।
13. श्राद्ध की अमावस्या, पंचक समाप्ति – 20 अप्रैल, शुक्रवार।
14. स्नान दान की अमावस्या, राष्ट्रीय बैशाखी आरम्भ – 21 अप्रैल, शनिवार।
15. श्री परशुराम जयन्ती, शिवाजी जयन्ती – 23 अप्रैल सोमवार।
16. अक्षय तृतीया, कल्पादि तृतीया, त्रेतायुगादि तृतीया, त्रिलोचन महादेव यात्रा रवियोग समस्त दिन – 24 अप्रैल, मंगलवार।
17. श्री वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रतम् – 25 अप्रैल, बुधवार।
18. श्री गगा सप्तमी, श्री गंगोत्पत्ति, रवि योग दिन मे 11 बजकर 58 मिनट तक – 28 अप्रैल, शनिवार।
19. श्री दुर्गा अष्टमी, श्री बगुलामुखी जयन्ती – 29 अप्रैल, रविवार।

20. श्री सीता नवमी मध्यान्न ब्यापिनी, यायीजय योग दिनमे 12 बजकर 47 मिनट तक, रवि योग दिन मे 12 बजकर 47 मिनट से प्रारम्भ – 30 अप्रैल, सोमवार।

पंडित आनंद अवस्थी

पं0 आनन्द अवस्थी : पटेल नगर कालोनी बछरावां,
रायबरेली डी–79, साउथ सिटी, लखनऊ, लखनऊ एम0बी0 नं0– 9450460208
Website- www.aarshjyotish.in, ----E-mail :
panditanandawasthi@aarshjyotish.in